306

कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश
सतपुड़ा भवन भोपाल

कमांक /आउशि/निक/09 भोपाल,दिनांक 17/06/10
प्रति,

समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक,
उच्च शिक्षा,
मध्यप्रदेश
प्राचार्य,
समस्त शासकीय महाविद्यालय,
मध्यप्रदेश

विषयः—विभाग के लिये दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार करने के संबंध मे ।

—0—

गत दो वर्षो मे विभाग के महाविद्यालय की आवश्यकताओं की न्यूनतम पूर्ति हेतु एक कार्य योजना बनाने का प्रयास किया जा रहा है । इस कार्य योजना के अंतर्गत वर्ष 2007—08 मे प्रत्येक महाविद्यालय मे कम से कम एक कम्प्यूटर स्थापित किया गया था तथा वर्ष 2008—09 मे एल.सी.डी. प्रोजेक्टर एवं जनरेटर प्रदाय कर नवीन अध्यापन पद्वति से छात्रों को अध्यापन करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है ।

इसी प्रकार विभाग की ओर से एक कार्य योजना तैयार कर 2010 के जुलाई माह तक समस्त महाविद्यालयों का अपना स्वंय का भवन तैयार करने की योजना प्रांरभ की गई थी । किन्तु निर्माण एजेनसियों के द्वारा पर्याप्त गति मे कार्य सम्पादन नही करने के कारण इसमें थोडा विलम्ब हुआ है ।

यदि उच्च शिक्षा के बदलते परिवेश मे नजर डाले तो यह प्रयास अत्यंत अल्प एवं आवश्यकता से कम प्रतीत होता है । इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुये यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक महाविद्यालय के प्राचार्य अपने महाविद्यालय के लिये आगामी पॉच वर्षो की कार्य योजना एवं आगामी 20 वर्षो की दीर्घकालीन योजना तैयार करेगें । इस योजना को तैयार करते समय निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखा जायें :—

1. आगामी पॉच वर्षो मे महाविद्यालय मे कितने विद्यार्थियों का प्रवेश अपेक्षित है जिसकी गणना पिछले पॉच वर्षो की प्रविष्टी के आकडो का अध्ययन कर Forecasting तरीके से ज्ञात किया जा सकता है ।

2. इन विघार्थियों को आधुनिक शिक्षा दिलाने के लिये भवन,क्रीड़ागन,प्रयोगशाला उपकरण तथा पुस्तकालय में कितनी पुस्तको की आवश्यकता होगी तथा इस पर कितना व्यय होगा ।

3. यह जानकारी प्रतिवर्ष के लिये पृथक–पृथक तैयार करें ।

4. इसी प्रकार आगामी 20 वर्षो मे विघार्थियों की दर्ज संख्या मे वृद्वि तथा उनकी रूचि के विषय के लिये आवश्यक कक्षा, अधोसंरचना, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कम्प्यूटर उपकरण तथा पृथक स्टाफ की कितनी आवश्यकता होगी । इनका प्रतिवर्ष के मान से प्रोजेक्ट तैयार करें ।

5. दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार करते समय यह भी ध्यान रखे कि 20 वर्ष तक प्रदेश के सभी महाविघालयों में आर्टस,कामर्स तथा विज्ञान तीनो संकाय के अतिरिक्त नये व्यवहारिक पाठयकम भी उपलब्ध होगें ।

गत 10 वर्षो मे प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये शासन के द्वारा कई प्रयास किये गये है जिनके चलते महाविघालय मे आने वाले छात्रों की संख्या मे जनसंख्या वृद्वि से अधिक वृद्वि की संभावना है । अतः उचित होगा कि जिन विघालयों से विघार्थी आपके महाविघालय मे प्रवेश लेते है उनमें हायर सेकेण्डरी मे गत पॉच वर्षो मे हुई छात्र संख्या की वृद्वि को ध्यान मे रखा जायें । कृपया यह सम्पूर्ण कार्य तैयार कर दिनांक 30 जून 09 तक क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालको को माध्यम से इस कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें ताकि विभागीय कार्य योजना के मान से योजना विभाग एवं वित्त विभाग से राशि की मांग कर प्रदेश मे उच्च शिक्षा की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सकें ।

(आशीष उपाध्याय)
आयुक्त,
उच्च शिक्षा,मध्यप्रदेश
भोपाल,दिनांक 17/06/09

पृष्ठांकन कमांक 307/आउशि/निक/09

प्रतिलिपि :–

1. निज सहायक,माननीय मंत्रीजी उच्च शिक्षा ।
2. निज सहायक,प्रमुख सचिव म.प्र.शासन उच्च शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल ।
3. संयुक्त संचालक, योजना कृपया उपरोक्त जानकारी संकलित कर तैयार करने का कष्ट करें ।

(आशीष उपाध्याय)
आयुक्त,
उच्च शिक्षा,मध्यप्रदेश